Nai Dunia (Indore), 23rd May 2024, Nai Dunia City Page-I

पर्यावरण, कृषि, स्वास्थ्य में शोध के लिए आइआइटी के प्रोफेसर को ग्लोबल अवार्ड

आदर्श सिंह ● नईदुनिया

माइक्रो इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बेहतर कार्यों के लिए आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर को पहली बार ग्लोबल 2024 माइक्रो इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग जर्नल मिडिल कैरियर इन्वेस्टिगेटर अवार्ड और लेक्चररशिप प्राप्त हुई है। आइआइटी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी को यह अवार्ड पर्यावरण निगरानी से लेकर कृषि और स्वास्थ्य देखभाल तक के अनुप्रयोगों के लिए एआइ-आइओटी आधारित क्वांटम उत्पादों के क्षेत्र में अधिक योगदान देने के लिए मिला है। एल्सेवियर की जर्नल प्रकाशक चेन लिन की निगरानी में छह अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के एक पैनल ने इस पुरस्कार के विजेता का चयन किया है। यह अवार्ड प्राप्त करने वाले प्रो. मुखर्जी देश के इकलौते विज्ञानी हैं। प्रो. मुखर्जी के नाम आइआइटी इंदौर में सबसे ज्यादा नौ पेटेंट हैं, जबकि चार पेटेंट के लिए फाइल किए जा चुके हैं। प्रो. मुखर्जी के 250 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रो. मुखर्जी के निर्देशन में तैयार की गई प्रौद्योगिकी कृषि, स्वास्थ्य और पर्यावरण के क्षेत्र में काफी उपयोगी साबित होगी। उन्होंने हाल ही में अपने डीप टेक उद्यम क्वांटेकएल2एम इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के अंतर्गत एक क्वांटम बायोसेंसर उपकरण तैयार किया है। इसकी मदद से शरीर में यूरिक एसिड के स्तर की 25 सेकंड में सटीक जानकारी मिल सकेगी। इसका ह्यूमन क्लीनिकल ट्रायल एम्स भोपाल में चल रहा है। उन्होंने एक ई-नोज डिवाइस फार बायोगैस सेंसर भी बनाया है, जिसकी मदद से उद्योगों, सीवरेज और कोयला खदान में जहरीली गैसों से होने वाले बड़े हादसों को टालने में उपयोगी साबित होगा। गैस रिसते ही यह डिवाइस अलर्ट जारी करेगा। इसी प्रकार फसलों के अच्छे उत्पादन के लिए मिट्टी के अवगुण बताने वाला सेंसर आधारित हैंडहेल्ड उपकरण तैयार किया है। इसका उपयोग किसान आसानी से कर सकते हैं। इसे बड़े पैमाने पर तैयार कर बाजार में लाने की भी तैयारी है। प्रो. मुखर्जी ने 2009 में अमेरिका के ओक्लाहोमा विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।

सिंगापुर में 15 से 18 जुलाई को आइईईई इंटरनेशनल सिंपोजियम आन द फिजिकल एंड फेल्योर एनालिसिस आफ इंटीग्रेटेड सर्किट्स (आइपीएफए) 2024 के 31वें संस्करण का आयोजन किया जाएगा। यहां प्रो. मुखर्जी को ग्लोबल अवार्ड दिया जाएगा। वे क्वांटम टेक्नोलाजी मेमोरी इन बायोमेडिकल इमेज प्रोसेसिंग, एग्रीकल्चर एंड लाजिक सर्किट्स विषय पर व्याख्यान देंगे।

2024 का प्रतिष्ठित माइक्रो इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग जर्नल मिडिल कैरियर इन्वेस्टिगेटर अवार्ड और लेक्चरशिप पाने वाले देश के इकलौते विज्ञानी

प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी।

सेमीकंडक्टर मिशन को मिलेगा बढ़ावा

माइक्रो इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग जर्नल मिडिल कैरियर इन्वेस्टिगेटर अवार्ड की शुरुआत एल्सेवियर प्रकाशक द्वारा वर्ष 2014 में हुई थी। यह पुरस्कार माइक्रो नैनो-इलेक्ट्रानिक सामाग्रियों, उपकरणों और सर्किटों के निर्माण और शोध के क्षेत्र में कार्य करने वालों को प्रदान किया जाता है। हर वर्ष अलग-अलग देश में अवार्ड प्रदान के लिए आयोजन होता है, जिसमें विजेता को सम्मानित किया जाता है। यह पुरस्कार भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन को बढ़ावा देगा और सेमीकंडक्ट डिजाइन और मैन्यूफैक्चरिंग में वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति को एक नई दिशा देगा।